4. Karnataka contributes 53 per cent of the water whereas the contribution of water by Tamil Nadu is 30 per cent.

5. Tamil Nadu has developed 28.2 lakh acres of land to be irrigated by Cauvery whereas Karnataka has developed only 6.8 lakh acres, and 6. from the beginning, Tamil Nadu is unauthorisedly bringing more and more lands under irrigation using Cauvery water whereas Karnataka is prevented to developed lands beyond 6.8 acres.

A large number of Inter-State meetings were held under the guidence of the Central Government. No progress is made to come to an agreed solution.

I make a strong appeal to the Central Government to take a bold decision to settle this important issue, in a just and equitable manner, if need be, by appointing an expert Committee.

I also suggest that Parliamentary Legislation may be passed to settle all Inter-State Water Disputes including the Cauvery dispute.

(iii) DEMAND FOR PROVIDING DAILY SERVICE OF MADUDHAR EXPRESS BETWEEN JODHPUR, AND JAIPUR.

श्री वृद्धि चन्द्र जैन (बाड़मेर) : उपाध्यक्ष महोदय, जोधपुर से जयपुर एवं जयपुर से जोधपुर मरुधर एक्सप्रेस के चलने से जोधपुर डिवीजन का अधिकांश जनता को बड़ा लाभ हुआ और उनका आवश्यक मांग की पूर्ति हुई ।

यह मरुधर एक्सप्रेस राजस्थान प्रान्त की राजधानी जयपुर से जोधपुर डिवीजन के मुख्यालय जोधपुर का सब से कम समय में पहुंचाने की महत्वपूर्ण रेलगाड़ी है ।

उक्त एक्सप्रेस हर बुधवार को एक ही रेल होने के कारण रेल की मरम्मत एवं सफाई के लिए बन्द रहती है, जिसके कारण उस दिन मरुधर एक्सप्रेस के न चलने से जनता को बड़े कष्ट का सामना करना पड़ता है ।

उक्त एक्सप्रेस डीजल इंजन के द्वारा न चलने से एक घण्टा समय अधिक लगता है और पर्याप्त कोच न लगने के कारण यात्रियों का निराश हो कर लौटना पड़ता है या ठसाठस भीड़ में यात्रा कर बहुत कष्ट उठाना पड़ता है ।

बीकानेर डिवीजन में इससे भी कम महत्वपूर्ण रेलगाड़ियां डीजल द्वारा चलती हैं तब भी इस महत्वपूर्ण एक्सप्रेस की डीजल द्वारा नहीं चलाए जाने से जोधपुर डिवीजन की जनता की घोर उपेक्षा की जा रही है ।

अतः रेलवे मंत्री जी का ध्यान आकर्षित किया जाता है कि मरुधर एक्सप्रेस हर रोज डीजल द्वारा चलाए जाने का तुरंत आदेश दे कर जोधपुर डिवीजन की जनता की आवश्यक मांग की पूर्ति की जाए ।

(iv) NEED FOR TAKING IMMEDIATE STEPS TO CHECK SMUGGLING OF ANIMALS AND OTHER VALUABLES ACROSS THE INDIA-PAKISTAN BORDER IN RAJASTHAN.

श्री अशोक गहलोत (जोधपुर) : राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, जिले से पाकिस्तान को लगने वाली सीमा पर तस्करी का माल लाने ले जाने का सिलसिला जोरों पर है । धन कमाने के लालच में सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले कुछ लोग तो लम्बे अरसे से इस धंधे में लिप्त हैं ही साथ में अभी ऐसी स्थिति बन रही है कि ये असामाजिक तत्व अकाल को विभीषिका का लाभ उठा कर सीमावर्ती क्षेत्र के भोले भाले मजबूर ग्रामीणों को भी इस धंधे में सम्मिलित करने लगे हैं ।

साधारणतया इस सीमा द्वारा पाकिस्तान से भारी मात्रा में विदेशी सोना, टेप

[श्री अशोक गहलोत]

रिकार्डर, कैसेट, विदेशी कपड़ा, घी इत्यादि लाया जाता है एवं इसके बदले में भारत से पशु धन, पान के पत्ते, नगीने, रम, शराब की बोतलें, बीड़ियों पैकेट व फिल्मी किताबें बड़ी मात्रा में तस्करों द्वारा ले जाई जाती है। पाकिस्तान जाने वाला यह सामान वहां बेहद लोकप्रिय होने से तस्करों को भारी मुनाफा भी होता है। लेकिन अभी चौथे वर्ष लगातार अकाल पड़ने से ऐसे हालात पैदा हो गए हैं कि पशु पालकों तथा उनके पशुओं की हालत दयनीय हो गई है। वे जब अपनी गायों को जंगलों में चरने हेतु छोड़ते हैं तो तस्कर लोग गायों इत्यादि को मौका पा कर हंका कर पाकिस्तान की तरफ ले जाते हैं एवं वहां पाकिस्तान की सीमा पर तस्करों के हाथों सौंप कर उन से विदेशी सोना व अन्य सामग्री प्राप्त कर लेते हैं।

मैं रक्षा मंत्री व गृह मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि वे अविलम्ब सीमावर्ती चौकियों को निर्देश दें जिससे सख्ती से पेश आ कर सीमा पर हो रही पशुओं व अन्य कीमती सामग्री की तस्करी को रोका जा सके।

(v) SETTING UP OF A TUBE-WELLS CORPORATION IN RAJASTHAN TO AUGMENT WATER RESOURCES.

SHRI RAJESH PILOT (Bharatpur): I wish to bring the following matter of urgent public importance to the attention of the House under Rule 377:—

Even after 34 years of independence of our country, Rajasthan still remains one of the States which cannot provide even drinking water to all its villages and villagers have to work 4 Kms. to tetch drinking water. Time and again it has been stressed that a Tube-well Corporation may be formed at the State level which can look after the interests of farmers and take the responsibility of digging a tubewells, because, at higher level the water is not fit for drinking; and even for irrigation purpose it is not useful. So, this Corporation would select places where water is fit for drinking as well as for irrigation purposes and could be utilised.

This Corporation would help in removing this deficiency and black-spot on the history of Rajasthan. On the one hand we are trying to send water in the space to a man who is arbitting in the sky, and, on the other hand, we cannot afford to give a glass of water to a citizen who is ploughing in the fields, working as labourer on the development schemes for the future of India. But the whole nation cannot give an assurance that he will have a glass of water whenever he needs it: I urge upon the Central Government to take up the matter with the State Government and help in all possible forms to remove this black spot from the history of Rajasthan and let soon there be a day when every citizen of the State at least could have food and water which is the minimum requirement for survival

(vi) WORKING OF HINDUSTHAN SAMACHAR NEWS AGENCY.

आचार्य भगवान देव (अजमेर): मैं सदन का ध्यान राष्ट्र भाषा हिन्दी और प्रान्तीय भाषाओं में काम करने वाली समाचार एजेंसी, हिन्दुस्तान समाचार के कर्मचारियों में व्यापत असन्तोष की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। इसके कारण संस्था के बन्द होने की सम्भावना निकट दिखलाई पड़ती है।

हिन्दुस्तान समाचार के प्रबन्धकों ने अभी पालेकर एवार्ड लागू नहीं किया है। सिर्फ उसे कागज पर लागू किया है और